मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–101

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.सी.-101 : लौकिक संस्कृत पद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं।*

(ii) तीनों खण्ड से प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक दिए गए हैं।

खण्ड—अ

1. अधोलिखित में से किन्हीं ***चार*** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— प्रत्येक 10

(क) अनारतं तेन पदेषु लम्भिता विभज्य

सम्यग्विनियोगसत्क्रियाः।

फलन्त्युपायाः परिवृहितायतीरूपेत्य

संघर्षमिवार्थसम्पदः॥

(ख) क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः।
तीतीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्॥

(ग) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन्
पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः।
कदाचिदपि पर्यटञ्छशविषाणमासादयेत्
न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्॥

(घ) विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं
विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरूणां गुरुः।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परं देवता
विद्या राजसु पूज्यते न हि धनं विद्याविहीनः पशुः॥

(ङ) अथानुरूपाभिनिवेशतोषिणा
कृताभ्यनुज्ञा गुरूणा गरीयसा।
प्रजासु पश्चातप्रथितं तदाख्यया
जगाम गौरी शिखरं शिखण्डिमत॥

खण्ड—ब

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 5×10=50

(क) 'कुमारसम्भवम्' के पाँचवें सर्ग के अनुसार पार्वती की विशेषताओं को लिखिए।

(ख) 'उपमा कालिदासस्य' विषय पर लेख लिखिए।

(ग) राजा दिलीप के व्यक्तित्व को अपने शब्दों में निबद्ध कीजिए।

(घ) श्रीहर्ष की रचना और भाषाशैली को विस्तार से लिखिए।

(ङ) महाकाव्य के उद्‌भव एवं विकास पर लेख लिखिए।

(च) भर्तृहरि के 'नीतिशतक' में प्रतिपादित तत्वों की व्याख्या कीजिए।

(छ) खण्डकाव्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—स

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times5=10$

(क) कुमारसम्भव महाकाव्य

(ख) शतकत्रय

(ग) मूर्ख पद्धति वर्णन

(घ) महाकवि माघ

× × × × × × ×